SampleTesting

08 Feb 2019 02:10 PM

Durgapur

Model: Web-Y4

Order No: 107526501

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
08/02/2019	जन्म तिथि	**08/02/2019**
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 14:10:12	जन्म समय	14:10:12 घंटे
घटी 19:37:04	जन्म समय(घटी)	19:37:04 घटी
India	देश	India
Durgapur	स्थान	Durgapur
पूर्व 23:37:44	अक्षांश	23:37:44 पूर्व
उत्तर 87:05:32	रेखांश	87:05:32 उत्तर
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:18:22	स्थानिक संस्कार	00:18:22 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:19:22	सूर्योदय	06:19:22
17:32:30	सूर्यास्त	17:32:30
24:07:12	चित्रपक्षीय अयनांश	24:07:12

मिथुन	लग्न	मिथुन
बुध	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मीन	राशि	मीन
गुरु	राशि-स्वामी	गुरु
पू०भाद्रपद	नक्षत्र	पू०भाद्रपद
गुरु	नक्षत्र स्वामी	गुरु
4	चरण	4
सिद्ध	योग	सिद्ध
वणिज	करण	वणिज
दी-दीपांकर	जन्म नामाक्षर	दी-दीप्ति
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
विप्र	वर्ण	विप्र
जलचर	वश्य	जलचर
सिंह	योनि	सिंह
मनुष्य	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	आद्य
सर्प	वर्ग	सर्प
0	गत/तत्कालिक वर्ष	1

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
आर्द्रा	2	11:33:05	मिथु		
धनिष्ठा	1	25:09:55	मक		
पू०भाद्रपद	4	02:55:56	मीन		
अश्विनी	1	01:45:35	मेष		
धनिष्ठा	3	02:06:02	कुंभ	अ	
ज्येष्ठा	3	24:52:35	वृश्चि		
मूल	4	10:56:50	धनु		
पूर्वाषाढ़ा	3	21:37:44	धनु		
पुनर्वसु	4	02:29:10	कर्क	व	
उत्तराषाढ़ा	2	02:29:10	मक	व	
अश्विनी	2	04:56:02	मेष		

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			मिथु	11:33:05	2	आर्द्रा
सूर्य			मक	25:09:55	1	धनिष्ठा
चंद्र			मीन	02:55:56	4	पू०भाद्रपद
मंगल			मेष	01:45:35	1	अश्विनी
बुध		अ	कुंभ	02:06:02	3	धनिष्ठा
गुरु			वृश्चि	24:52:35	3	ज्येष्ठा
शुक्र			धनु	10:56:50	4	मूल
शनि			धनु	21:37:44	3	पूर्वाषाढ़ा
राहु	व		कर्क	02:29:10	4	पुनर्वसु
केतु	व		मक	02:29:10	2	उत्तराषाढ़ा
मु			मिथु	11:33:05	2	आर्द्रा

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:12

लग्न-चलित

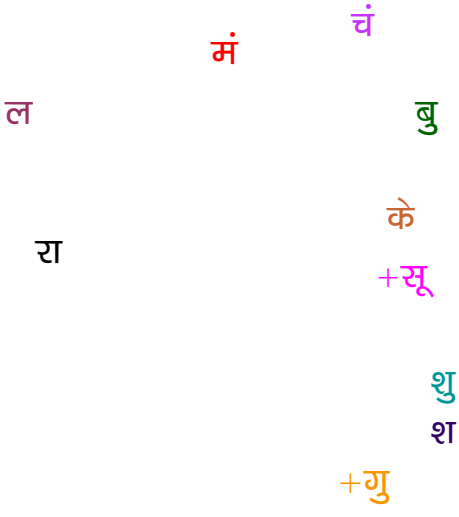

वर्ष लग्न कुंडली

चन्द्र कुंडली

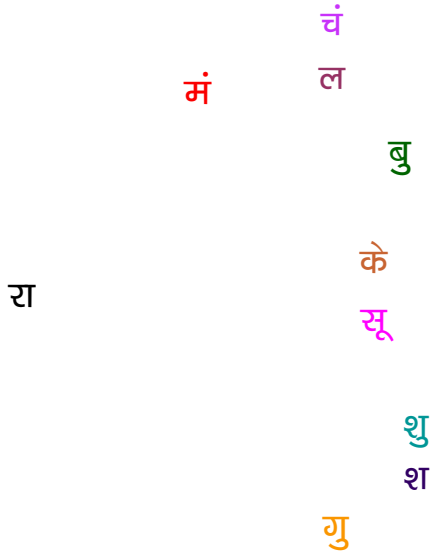

वर्ष चन्द्र कुंडली

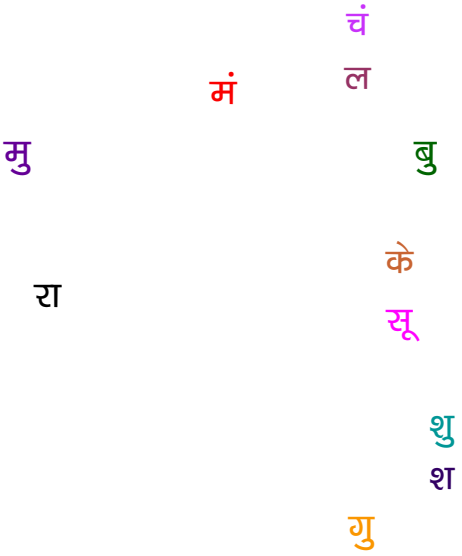

नवमांश कुंडली

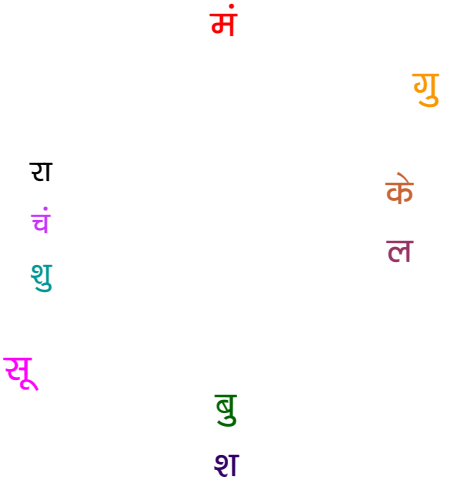

वर्ष नवमांश कुंडली

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	मित्र	शत्रु	सम	मित्र	सम	सम
चन्द्र	मित्र	---	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु
मंगल	शत्रु	सम	---	मित्र	सम	मित्र	मित्र
बुध	सम	सम	मित्र	---	शत्रु	मित्र	मित्र
गुरु	मित्र	मित्र	सम	शत्रु	---	सम	सम
शुक्र	सम	शत्रु	मित्र	मित्र	सम	---	शत्रु
शनि	सम	शत्रु	मित्र	मित्र	सम	शत्रु	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	मिथु	मक	मीन	मेष	कुंभ	वृश्चि	धनु	धनु
होरा	सिंह	सिंह	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह	कर्क
द्रेष्काण	मेष	सिंह	मक	मेष	तुला	वृष	कर्क	कुंभ
चतुर्थांश	कन्या	तुला	मीन	मेष	कुंभ	सिंह	मीन	मिथु
पंचमांश	कुंभ	वृश्चि	वृष	मेष	मेष	वृश्चि	कुंभ	मिथु
षष्ठांश	मिथु	मीन	तुला	मेष	मेष	कुंभ	मिथु	सिंह
सप्तमांश	सिंह	धनु	कन्या	मेष	कुंभ	तुला	कुंभ	वृष
अष्टमांश	सिंह	तुला	वृष	मेष	सिंह	कुंभ	कर्क	तुला
नवमांश	मक	सिंह	कर्क	मेष	तुला	कुंभ	कर्क	तुला
दशमांश	कन्या	वृष	वृश्चि	मेष	कुंभ	मीन	मीन	कर्क
एकादशांश	कन्या	कन्या	मीन	मीन	मक	कर्क	मीन	मिथु
द्वादशांश	तुला	वृश्चि	मेष	मेष	कुंभ	सिंह	मेष	सिंह

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सम	मित्र	स्व	मित्र	सम	सम	सम
होरा	स्व	स्व	शत्रु	सम	मित्र	सम	शत्रु
द्रेष्काण	स्व	शत्रु	स्व	मित्र	सम	शत्रु	स्व
चतुर्थांश	सम	मित्र	स्व	मित्र	मित्र	सम	मित्र
पंचमांश	शत्रु	शत्रु	स्व	मित्र	सम	शत्रु	मित्र
षष्ठांश	मित्र	शत्रु	स्व	मित्र	सम	मित्र	सम
सप्तमांश	मित्र	सम	स्व	मित्र	सम	शत्रु	शत्रु
अष्टमांश	सम	शत्रु	स्व	सम	सम	शत्रु	शत्रु
नवमांश	स्व	स्व	स्व	मित्र	सम	शत्रु	शत्रु
दशमांश	सम	सम	स्व	मित्र	स्व	सम	शत्रु
एकादशांश	सम	मित्र	सम	मित्र	मित्र	सम	मित्र
द्वादशांश	शत्रु	सम	स्व	मित्र	मित्र	मित्र	सम
शुभ	5	5	10	10	5	2	4
सम	5	3	1	2	7	5	3
अशुभ	2	4	1	0	0	5	5
कुल	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	5	0	0	0	0
तृतीय बल	0	0	5	5	5	5	5
चतुर्थ बल	5	0	5	0	5	0	0
कुल	5	0	15	5	10	5	5
बल	क्षीण	अतिक्षीण	बली	क्षीण	सामान्य	क्षीण	क्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	15.00	22.50	30.00	22.50	15.00	15.00	15.00
उच्च बल	11.69	13.33	12.92	4.77	4.46	8.22	13.15
हददा बल	7.50	3.75	7.50	11.25	7.50	15.00	11.25
द्रेष्काण	10.00	2.50	10.00	7.50	5.00	2.50	10.00
नवमांश	5.00	5.00	5.00	3.75	2.50	1.25	1.25
कुल	49.19	47.08	65.42	49.77	34.46	41.97	50.65
विंशोपक	12.30	11.77	16.35	12.44	8.61	10.49	12.66
बल	शुभ	शुभ	बली	शुभ	सामान्य	शुभ	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	बुध	12.44	अतिशुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	बुध	12.44	अतिशुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	बुध	12.44	अतिशुभ	बुध
दिवापति	शनि	12.66	अति अशुभ	
त्रिराशिपति	शनि	12.66	अति अशुभ	

सहम

सहम जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रदर्शित करने वाली विशेष स्थिति या बिन्दु है। ग्रह या भावों के विपरीत सहम जीवन की एक ही घटना से संबंध रखता है। आचार्य नीलकंठ के अनुसार सहम 50 हैं। यदि सहम और इसका स्वामी शुभ हो या शुभदृष्ट हो तो यह सांकेतिक घटना के लिए शुभ फल प्रदान करता है। ताजिक शास्त्र के अनुसार किसी भी घटना की अवधि को इसकी स्थिति, स्वामी तथा उस राशि की स्थिति से ज्ञात किया जाता है जिसमें यह स्थित है। नीचे सहमों की गणना करके उनकी संभावित तिथियां दी गई हैं जो अग्रिम फलादेश में सहायक सिद्ध हो सकेंगी।

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
पुण्य	सिंह	19:19:06	सूर्य	29/09/2019
गुरु	वृष	03:47:04	शुक्र	25/05/2019
ज्ञान	वृष	03:47:04	शुक्र	25/05/2019
यश	तुला	17:06:34	शुक्र	10/01/2020
मित्र	सिंह	25:24:48	सूर्य	06/10/2019
माहात्म्य	तुला	29:06:36	शुक्र	24/01/2020
आशा	कर्क	22:13:58	चन्द्र	24/06/2019
समर्थ	कन्या	11:12:38	बुध	14/10/2019
भातृ	वृष	14:47:56	शुक्र	02/06/2019
गौरव	वृश्चिक	17:06:34	मंगल	11/10/2019
राजा	वृष	08:00:53	शुक्र	28/05/2019
पितृ	वृष	08:00:53	शुक्र	28/05/2019
मातृ	तुला	03:32:11	शुक्र	27/12/2019
सुत	मीन	03:29:44	गुरु	05/05/2019
जीव	सिंह	08:18:14	सूर्य	16/09/2019
अम्बु	तुला	03:32:11	शुक्र	27/12/2019
कर्म	कन्या	11:12:38	बुध	14/10/2019
रोग	कन्या	20:10:14	बुध	24/10/2019
कामदेव	सिंह	12:22:59	सूर्य	21/09/2019
कलि	कुम्भ	04:40:05	शनि	24/03/2019
क्षेम	कुम्भ	04:40:05	शनि	24/03/2019
शास्त्र	मकर	05:20:53	शनि	22/02/2019
बन्धु	वृष	10:43:11	शुक्र	30/05/2019
बंधक	सिंह	12:22:59	सूर्य	21/09/2019
मृत्यु	तुला	26:39:13	शुक्र	21/01/2020

सहम

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
परदेश	सिंह	24:17:07	सूर्य	04/10/2019
अर्थ	तुला	16:34:34	शुक्र	10/01/2020
परदारा	मेष	27:20:00	मंगल	27/02/2019
अन्यकर्म	कन्या	22:51:17	बुध	27/10/2019
वणिक	सिंह	12:22:59	सूर्य	21/09/2019
कार्यसिद्धि	वृश्चिक	18:05:32	मंगल	12/10/2019
विवाह	मिथुन	00:52:11	बुध	17/05/2019
प्रसूति	मेष	04:19:38	मंगल	09/02/2019
संताप	सिंह	26:39:13	सूर्य	07/10/2019
श्रद्धा	कुम्भ	20:44:20	शनि	10/04/2019
प्रीति	मीन	26:01:03	गुरु	25/05/2019
बल	तुला	17:06:34	शुक्र	10/01/2020
देह	तुला	17:06:34	शुक्र	10/01/2020
जाडय	वृष	12:13:53	शुक्र	31/05/2019
व्यापार	कन्या	11:12:38	बुध	14/10/2019
जलपतन	वृष	12:13:53	शुक्र	31/05/2019
शत्रु	तुला	21:40:56	शुक्र	16/01/2020
शौर्य	तुला	29:06:36	शुक्र	24/01/2020
उपाय	सिंह	08:18:14	सूर्य	16/09/2019
दरिद्रता	सिंह	19:19:06	सूर्य	29/09/2019
गुरुता	कन्या	26:23:10	बुध	31/10/2019
जलपथ	मकर	04:55:21	शनि	22/02/2019
बंधन	कुम्भ	09:14:27	शनि	29/03/2019
कन्या	मीन	19:33:59	गुरु	19/05/2019
अश्व	तुला	28:30:56	शुक्र	23/01/2020

वर्ष त्रिपताकी कुंडली

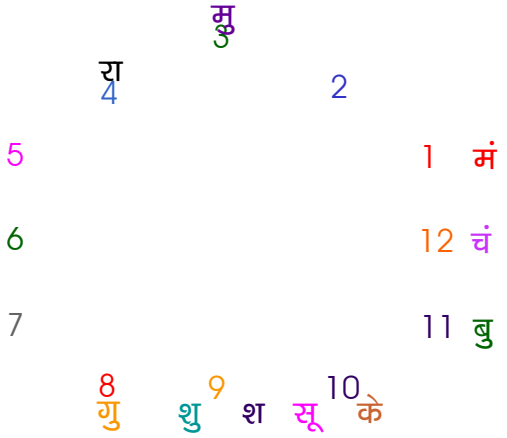

पात्यंश दशा

मंगल		बुध		चंद्र		शुक्र		लग्न	
08/02/2019		**06/03/2019**		**11/03/2019**		**23/03/2019**		**17/07/2019**	
06/03/2019		**11/03/2019**		**23/03/2019**		**17/07/2019**		**26/07/2019**	
मंगल	10/02/2019	बुध	06/03/2019	चंद्र	11/03/2019	शुक्र	29/04/2019	लग्न	17/07/2019
बुध	10/02/2019	चंद्र	06/03/2019	शुक्र	15/03/2019	लग्न	01/05/2019	शनि	21/07/2019
चंद्र	11/02/2019	शुक्र	07/03/2019	लग्न	15/03/2019	शनि	17/06/2019	गुरु	22/07/2019
शुक्र	19/02/2019	लग्न	08/03/2019	शनि	20/03/2019	गुरु	02/07/2019	सूर्य	22/07/2019
लग्न	20/02/2019	शनि	10/03/2019	गुरु	22/03/2019	सूर्य	03/07/2019	मंगल	23/07/2019
शनि	02/03/2019	गुरु	10/03/2019	सूर्य	22/03/2019	मंगल	12/07/2019	बुध	23/07/2019
गुरु	05/03/2019	सूर्य	10/03/2019	मंगल	22/03/2019	बुध	13/07/2019	चंद्र	23/07/2019
सूर्य	06/03/2019	मंगल	11/03/2019	बुध	23/03/2019	चंद्र	17/07/2019	शुक्र	26/07/2019

शनि		गुरु		सूर्य		सूर्य		सूर्य	
26/07/2019		**19/12/2019**		**04/02/2020**		**04/02/2020**		**04/02/2020**	
19/12/2019		**04/02/2020**		**08/02/2020**		**08/02/2020**		**08/02/2020**	
शनि	22/09/2019	गुरु	25/12/2019	सूर्य	04/02/2020	सूर्य	04/02/2020	सूर्य	04/02/2020
गुरु	11/10/2019	सूर्य	26/12/2019	मंगल	04/02/2020	मंगल	04/02/2020	मंगल	04/02/2020
सूर्य	13/10/2019	मंगल	29/12/2019	बुध	05/02/2020	बुध	05/02/2020	बुध	05/02/2020
मंगल	23/10/2019	बुध	30/12/2019	चंद्र	05/02/2020	चंद्र	05/02/2020	चंद्र	05/02/2020
बुध	25/10/2019	चंद्र	31/12/2019	शुक्र	06/02/2020	शुक्र	06/02/2020	शुक्र	06/02/2020
चंद्र	30/10/2019	शुक्र	15/01/2020	लग्न	06/02/2020	लग्न	06/02/2020	लग्न	06/02/2020
शुक्र	15/12/2019	लग्न	16/01/2020	शनि	08/02/2020	शनि	08/02/2020	शनि	08/02/2020
लग्न	19/12/2019	शनि	04/02/2020	गुरु	08/02/2020	गुरु	08/02/2020	गुरु	08/02/2020

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

गुरु		शनि		बुध		केतु		शुक्र	
08/02/2019		29/03/2019		26/05/2019		16/07/2019		07/08/2019	
29/03/2019		26/05/2019		16/07/2019		07/08/2019		07/10/2019	
गुरु	15/02/2019	शनि	07/04/2019	बुध	02/06/2019	केतु	18/07/2019	शुक्र	17/08/2019
शनि	22/02/2019	बुध	15/04/2019	केतु	05/06/2019	शुक्र	21/07/2019	सूर्य	20/08/2019
बुध	01/03/2019	केतु	19/04/2019	शुक्र	14/06/2019	सूर्य	22/07/2019	चंद्र	25/08/2019
केतु	04/03/2019	शुक्र	28/04/2019	सूर्य	16/06/2019	चंद्र	24/07/2019	मंगल	28/08/2019
शुक्र	12/03/2019	सूर्य	01/05/2019	चंद्र	20/06/2019	मंगल	25/07/2019	राहु	07/09/2019
सूर्य	15/03/2019	चंद्र	06/05/2019	मंगल	24/06/2019	राहु	28/07/2019	गुरु	15/09/2019
चंद्र	19/03/2019	मंगल	09/05/2019	राहु	01/07/2019	गुरु	31/07/2019	शनि	24/09/2019
मंगल	21/03/2019	राहु	18/05/2019	गुरु	08/07/2019	शनि	04/08/2019	बुध	03/10/2019
राहु	29/03/2019	गुरु	26/05/2019	शनि	16/07/2019	बुध	07/08/2019	केतु	07/10/2019

सूर्य		चंद्र		मंगल		राहु		गुरु	
07/10/2019		25/10/2019		24/11/2019		16/12/2019		08/02/2020	
25/10/2019		24/11/2019		16/12/2019		08/02/2020		00/00/0000	
सूर्य	07/10/2019	चंद्र	27/10/2019	मंगल	25/11/2019	राहु	24/12/2019	गुरु	08/02/2020
चंद्र	09/10/2019	मंगल	29/10/2019	राहु	29/11/2019	गुरु	31/12/2019		00/00/0000
मंगल	10/10/2019	राहु	03/11/2019	गुरु	02/12/2019	शनि	09/01/2020		00/00/0000
राहु	13/10/2019	गुरु	07/11/2019	शनि	05/12/2019	बुध	17/01/2020		00/00/0000
गुरु	15/10/2019	शनि	12/11/2019	बुध	08/12/2019	केतु	20/01/2020		00/00/0000
शनि	18/10/2019	बुध	16/11/2019	केतु	09/12/2019	शुक्र	29/01/2020		00/00/0000
बुध	21/10/2019	केतु	18/11/2019	शुक्र	13/12/2019	सूर्य	01/02/2020		00/00/0000
केतु	22/10/2019	शुक्र	23/11/2019	सूर्य	14/12/2019	चंद्र	05/02/2020		00/00/0000
शुक्र	25/10/2019	सूर्य	24/11/2019	चंद्र	16/12/2019	मंगल	08/02/2020		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - राहु - सूर्य	
16/02/2019 08:31	
01/04/2019 04:26	
सूर्य	18/02/2019 13:07
चंद्र	22/02/2019 04:47
मंगल	24/02/2019 18:08
राहु	03/03/2019 07:56
गुरु	09/03/2019 04:11
शनि	16/03/2019 02:44
बुध	22/03/2019 07:46
केतु	24/03/2019 21:07
शुक्र	01/04/2019 04:26

गुरु - राहु - चंद्र	
01/04/2019 04:26	
13/06/2019 05:38	
चंद्र	07/04/2019 06:32
मंगल	11/04/2019 12:49
राहु	22/04/2019 11:47
गुरु	02/05/2019 05:33
शनि	13/05/2019 19:08
बुध	24/05/2019 03:31
केतु	28/05/2019 09:47
शुक्र	09/06/2019 13:59
सूर्य	13/06/2019 05:38

गुरु - राहु - मंगल	
13/06/2019 05:38	
03/08/2019 08:53	
मंगल	16/06/2019 05:14
राहु	23/06/2019 21:19
गुरु	30/06/2019 16:57
शनि	08/07/2019 19:16
बुध	16/07/2019 01:07
केतु	19/07/2019 00:43
शुक्र	27/07/2019 13:15
सूर्य	30/07/2019 02:37
चंद्र	03/08/2019 08:53

शनि - शनि - शनि	
03/08/2019 08:53	
24/01/2020 08:18	
शनि	30/08/2019 21:59
बुध	24/09/2019 13:30
केतु	04/10/2019 17:04
शुक्र	02/11/2019 16:58
सूर्य	11/11/2019 09:45
चंद्र	25/11/2019 21:42
मंगल	06/12/2019 01:16
राहु	01/01/2020 03:35
गुरु	24/01/2020 08:18

शनि - शनि - बुध	
24/01/2020 08:18	
28/06/2020 00:12	
बुध	15/02/2020 09:33
केतु	24/02/2020 11:29
शुक्र	21/03/2020 10:08
सूर्य	29/03/2020 04:55
चंद्र	11/04/2020 04:15
मंगल	20/04/2020 06:10
राहु	13/05/2020 14:34
गुरु	03/06/2020 08:41
शनि	28/06/2020 00:12

शनि - शनि - केतु	
28/06/2020 00:12	
31/08/2020 02:30	
केतु	01/07/2020 17:56
शुक्र	12/07/2020 10:19
सूर्य	15/07/2020 15:14
चंद्र	20/07/2020 23:25
मंगल	24/07/2020 17:10
राहु	03/08/2020 07:54
गुरु	11/08/2020 21:01
शनि	22/08/2020 00:35
बुध	31/08/2020 02:30

शनि - शनि - शुक्र	
31/08/2020 02:30	
02/03/2021 05:41	
शुक्र	30/09/2020 15:02
सूर्य	09/10/2020 18:48
चंद्र	25/10/2020 01:04
मंगल	04/11/2020 17:27
राहु	02/12/2020 04:43
गुरु	26/12/2020 14:45
शनि	24/01/2021 14:39
बुध	19/02/2021 13:18
केतु	02/03/2021 05:41

शनि - शनि - सूर्य	
02/03/2021 05:41	
26/04/2021 04:14	
सूर्य	04/03/2021 23:37
चंद्र	09/03/2021 13:29
मंगल	12/03/2021 18:24
राहु	21/03/2021 00:11
गुरु	28/03/2021 08:00
शनि	06/04/2021 00:46
बुध	13/04/2021 19:34
केतु	17/04/2021 00:29
शुक्र	26/04/2021 04:14

शनि - शनि - चंद्र	
26/04/2021 04:14	
26/07/2021 17:49	
चंद्र	03/05/2021 19:22
मंगल	09/05/2021 03:34
राहु	22/05/2021 21:12
गुरु	04/06/2021 02:13
शनि	18/06/2021 14:10
बुध	01/07/2021 13:29
केतु	06/07/2021 21:41
शुक्र	22/07/2021 03:57
सूर्य	26/07/2021 17:49

शनि - शनि - मंगल	
26/07/2021 17:49	
28/09/2021 20:08	
मंगल	30/07/2021 11:33
राहु	09/08/2021 02:18
गुरु	17/08/2021 15:25
शनि	27/08/2021 18:59
बुध	05/09/2021 20:54
केतु	09/09/2021 14:38
शुक्र	20/09/2021 07:02
सूर्य	23/09/2021 11:56
चंद्र	28/09/2021 20:08

शनि - शनि - राहु	
28/09/2021 20:08	
12/03/2022 15:47	
राहु	23/10/2021 13:29
गुरु	14/11/2021 12:54
शनि	10/12/2021 15:13
बुध	02/01/2022 23:36
केतु	12/01/2022 14:21
शुक्र	09/02/2022 01:37
सूर्य	17/02/2022 07:24
चंद्र	03/03/2022 01:03
मंगल	12/03/2022 15:47

शनि - शनि - गुरु	
12/03/2022 15:47	
06/08/2022 03:56	
गुरु	01/04/2022 04:37
शनि	24/04/2022 09:20
बुध	15/05/2022 03:27
केतु	23/05/2022 16:34
शुक्र	17/06/2022 02:35
सूर्य	24/06/2022 10:23
चंद्र	06/07/2022 15:24
मंगल	15/07/2022 04:31
राहु	06/08/2022 03:56

वर्ष योग

इक्कबाल योग

यदि वर्ष कुंडली में सभी ग्रह केन्द्र (1, 4, 7, 10) और पणफर (2, 5, 8, 11) स्थानों में हो तो इक्कबाल नामक योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इन्दुवार योग

वर्ष कुंडली में यदि सूर्यादि सभी ग्रह आपीक्लिम (3, 6, 9, 12) स्थानों में हो तो इन्दुवार योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इत्थशाल योग

यदि लग्नेश और अन्य ग्रह (कार्येश) की परस्पर दृष्टि हो तथा दोनों ग्रह दीप्तांशों के अन्तर्गत हों तो इत्थशाल योग होता है। यह तीन प्रकार का होता है। वर्तमान, सम्पूर्ण और भविष्यत। सम्पूर्ण इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगति ग्रह से 1 कला के अंतर पर हो। वर्तमान इत्थशाल में शीघ्रगति वाले ग्रह के अंश कम एवं मन्दगति ग्रह के अंश अधिक हों तथा दोनों की परस्पर दृष्टि हो। भविष्यत इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगति ग्रह राशि के अन्तिम अंश में हो तथा दूसरी राशि पर मन्द गति ग्रह हो परन्तु मध्यान्तर दीप्तांशो के अन्तर्गत हों।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इसराफ योग

यदि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगामी ग्रह से आगे हो तो इसराफ योग होता है यह इत्थशाल का विपरीत होता है।

इसराफ योग मन्दगति ग्रह मंगल (मेष 01:45:35), एवं शीघ्र गति ग्रह बुध (कुंभ 02:06:02), के मध्य बन रहा है।

वर्ष कुंडली में यह योग विशेष अच्छा नहीं माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से इस समय आयस्रोतों में कमी आएगी जिससे आर्थिक स्थिति प्रभावित होगी। साथ ही महत्वपूर्ण एवं प्रभावशाली लोगों से सम्पर्क कम ही बनेंगे। इस वर्ष आप प्रतियोगी परीक्षा में परिश्रमपूर्वक सफलता प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे या चुनाव में सफलता कम ही मिलेगी अतः संयमपूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

नक्त योग

यदि लग्नेश और कार्येश में दृष्टि न हो और उन दोनों के मध्य दीप्तांशों के अन्तर्गत ऐसा शीघ्रगामी ग्रह हो जो लग्नेश और कर्मेश को देखता हो तो एक ग्रह के तेज को लेकर दूसरों को देता है। इस योग में किसी तीसरे व्यक्ति की सहायता से कार्य बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

यमया योग

यदि लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि न हो और कोई मन्दगति वाला ग्रह दीप्ताशों के अन्तर्गत हो तथा दोनों को देखता हो तो वह शीघ्रगति ग्रह मन्दगति वाले ग्रह को दे देता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

मणऊ योग

यदि लग्नेश एवं कर्मेश में इत्थशाल हो किन्तु कोई पाप ग्रह दोनों को या एक को भी शत्रु दृष्टि से देखता हो तथा दीप्तांशों के अन्तर्गत हो तो मणऊ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कम्बूल योग

यदि लग्नेश और कार्येश में परस्पर इत्थशाल हो तथा इन दोनों में एक से भी चन्द्रमा इत्थशाल करता हो तो कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

गैरी कम्बूल योग

लग्नेश एवं कार्येश दोनों का इत्शाल हो परंतु चन्द्रमा की इन पर दृष्टि न हो किन्तु वही चन्द्रमा बलवान होकर अग्रिम राशि में जाकर किसी अन्य बलवान ग्रह से इत्थशाल करे तो गैरी कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

खल्लासर योग

लग्नेश और कार्येश का परस्पर इत्थशाल हो लेकिन शून्यमार्गी चन्द्रमा किसी से इत्थशाल न करता हो तो खल्लासर नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

रदद योग

यदि लग्नेश और कार्येश में कोई ग्रह अस्त नीच शत्रु क्षेत्री अथवा 6, 8, 12 में हो और परस्पर इत्थशाली हो, क्रूर ग्रह से युक्त या दृष्ट हो तो रदद नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुफालिकुत्थ योग

लग्नेश और कार्येश में इत्थशाल हो (1) इन दोनों में से मन्दगति वाला ग्रह अपनी उच्च राशि /स्वराशि /नवांश / द्रेष्काण आदि में बलवान हो तथा (2) शीघ्रगामी ग्रह अपनी उच्च स्वराशि में न हो तथा निर्बल हो तो दुफालिकुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुत्थकुत्थीर योग

यदि लग्नेश और कार्येश निर्बल होकर इत्थशाल करें और उनमें से एक किसी ग्रह से जो अपने उच्च या स्वगृह में बैठा हो, बलवान हो इत्थशाल करे तो दुत्थकुत्थीर योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

तम्बीर योग

इस योग में लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि नहीं होती किन्तु इन दोनों में से कोई एक ग्रह राशि के अन्त में होता है एवं आगामी राशि में स्वगृही ग्रह से दीप्तांशों के अन्तर्गत इत्थशाल करता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कुत्थ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश कार्येश बलवान हों तो कुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुरूफ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश निर्बल हो तो दुरूफयोग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे तथा शान्ति एवं सन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। इस समय लेखन कार्य तथा शास्त्रों के अध्ययन में आपकी रूचि रहेगी तथा कई कलाओं के विषय में जानने को आप इच्छुक रहेंगे। इस समय आपका व्यवहार अन्य लोगों से अच्छा रहेगा तथा सबको प्रभावित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही प्रत्युत्तर देकर प्रतिवादी को भी आप शान्त एवं प्रभावित करने में आप सफल होंगे। शत्रुपक्ष इस समय आपसे भयभीत तथा चिन्तित रहेगा एवं उन पर विजय प्राप्त करने में आप को सफलता प्राप्त होगी। गणित या ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में इस समय आप कोई विशिष्ट उपलब्धि अर्जित कर सकते है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा तथा इसमें आपको इच्छित सफलता प्राप्त होगी। साथ ही प्रचुर मात्रा में लाभार्जन भी होगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश की अभिवृद्धि होगी एवं सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। इस समय राजनैतिक लोगों या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे आप वांछित सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। आर्थिक स्थिति भी आपकी इस समय सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा तथा समस्त सुख संसाधनों को उपभोग करते हुए प्रसन्नता पूर्वक यह वर्ष व्यतीत करेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में भी प्रसन्ता का भाव विद्य मान रहेगा। कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद के प्राप्ति की संभावना बनेगी। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार करने तथा अन्य नवीन कार्यों को प्रारम्भ करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष में आपके शत्रु निर्बल रहेंगे अतः चुनाव मुकद्दमे,व्यापारिक क्षेत्र या प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित होगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों अथवा सरकारी उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मात्रा में लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही समाज में आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय आपके समस्त रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्यो में भी वृद्धि होगी। साथ ही अन्य सांसारिक कार्यो में भी सफलता प्राप्त होगी एवं प्रसन्नता के समाचार भी मिलेंगे ।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपको संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी या उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही वाहन संबधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः आप अपने अधिकाशं समय को आनन्द पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थतियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङगोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।धर्म के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक धार्मिक कार्य कलापों तथा पुण्य संबधी कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम पूर्वक सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। साथ ही सौभाग्य में भी वृद्धि होगी एवं भाग्योदय संबधी कोई महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होगा। इस समय भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे तथा आनन्दपूर्वक इनका उपभोग करेंगे। साथ ही किसी शुभ एवं मांगलिक कार्य पर व्यय भी होगा।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा इस समय व्यापार में आप इच्छित उन्नति एवं सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही कार्यक्षेत्र में विस्तार या किसी नवीन योजना का शुभारंभ भी होगा। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी आपकी पदोन्नति की संभावनाएं बनेगी। साथ ही मंत्री वर्ग या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपके सम्पर्क बनेंगे तथा उनसे वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। इससे आपके विगत रूके हुए कार्यो में सफलता मिलेगी तथा मानसिक संकल्प भी पूर्ण होंगे। इस वर्ष में आपको कोई सरकारी या राजनैतिक सम्मान भी प्राप्त होगा। मित्रों एवं संबधियों से भी आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको इच्छित लाभ एवं सहयोग मिलता रहेगा। अतः सम्पूर्ण सुख एवं आनन्द का उपभोग करते हुए आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आपके सभी शुभ एवं सांसारिक महत्व के कार्य उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। साथ ही आपके सभी रूके हुए कार्य पूर्ण होंगे तथा मानसिक संकल्पों में भी सफलता मिलेगी। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपको वांछित सुख एवं सहयोग मिलेगा तथा संतति पक्ष से भी प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति भी इस समय उत्तम रहेगी तथा आपके सभी कार्य बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा नियम पूर्वक आप धार्मिक कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे। इस समय आपके भाग्योदय में भी वृद्धि होगी तथा भौतिक सुख संसाधन तथा वाहनादि को प्राप्त करने में आप समर्थ रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा इस समय व्यापार में आपको इच्छित सफलता मिलेगी तथा इसमें विस्तार या नवीन कार्य प्रारंभ होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में भी आपकी पदोन्नति होगी फलतः समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश बढ़ेगा तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा।

प्रथम मास

08/02/2019 14:10:12 से 10/03/2019 09:25:58 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	11:33:05
सूर्य		मकर	धनिष्ठा	25:09:55
चन्द्र		मीन	पू०भाद्रपद	02:55:56
मंगल		मेष	अश्विनी	01:45:35
बुध		कुम्भ	धनिष्ठा	02:06:02
गुरु		वृश्चिक	ज्येष्ठा	24:52:35
शुक्र		धनु	मूल	10:56:50
शनि		धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:37:44
राहु	व	कर्क	पुनर्वसु	02:29:10
केतु	व	मकर	उत्तराषाढ़ा	02:29:10
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	11:33:05

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

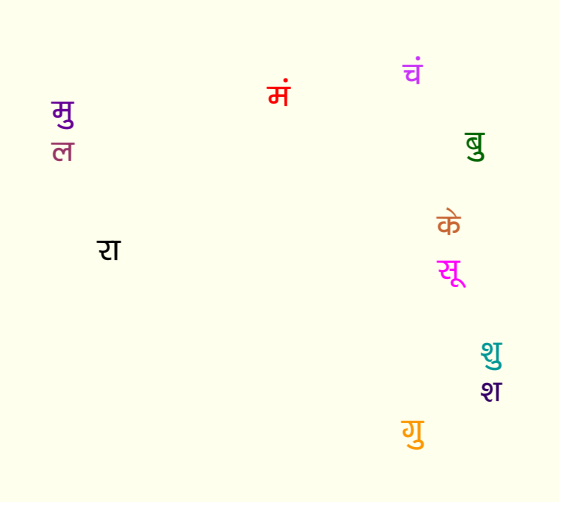

इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे। इस समय आपके लाभमार्ग प्रशस्त होंगे तथा पराक्रम में भी वृद्धि होगी जिससे शत्रु वर्ग आपसे भयभीत रहेगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सम्मान प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी आपकी आय होती रहेगी जिससे आर्थिक रूप से पूर्ण रूपेण सुदृढ़ रहेंगे। इसके शुभ प्रभाव से आप समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा भाग्य में भी उन्नति होगी एवं कोई विलम्ब हुआ शुभ एवं महत्पूर्ण कार्य भी सम्पन्न हो सकेगा। इसके, अतिरिक्त सांसारिक कार्यो में सफलता प्राप्त होगी एवं सम्पूर्ण वातावरण प्रसन्नता से युक्त रहेगा।

साथ ही इस मास में न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इससे आप गर्मी से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रुधिर सम्बधी विकार भी हो सकता है। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधानी रखनी चाहिए। साथ ही आग के द्वारा भी किसी प्रकार की हानि की सम्भावना हो सकती है। अतः सतर्क रहें।

द्वितीय मास

10/03/2019 09:25:58 से 09/04/2019 15:53:58 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	कृतिका	00:29:20
सूर्य		कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:09:55
चन्द्र		मेष	अश्विनी	04:12:14
मंगल		मेष	भरणी	21:50:00
बुध	व	मीन	उ०भाद्रपद	04:06:44
गुरु		वृश्चिक	ज्येष्ठा	28:42:53
शुक्र		मकर	श्रवण	15:56:08
शनि		धनु	पूर्वाषाढ़ा	24:21:59
राहु	व	कर्क	पुनर्वसु	01:02:13
केतु	व	मकर	उत्तराषाढ़ा	01:02:13
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	14:03:05

मासाधिपति

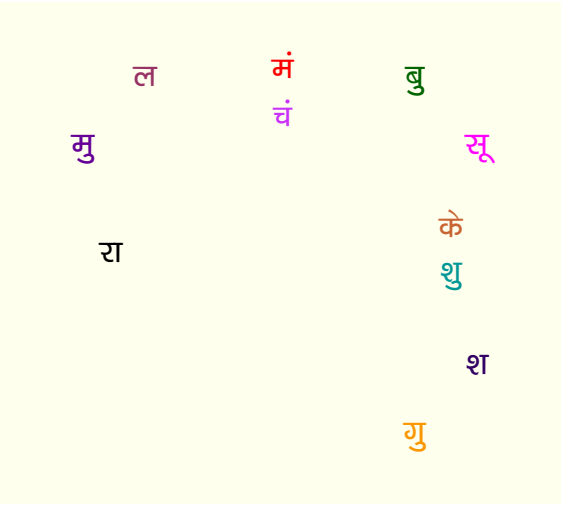

मासाधिपति : शुक्र

इस मास को सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।साथ ही आप अपने उत्साह एवं परिश्रम से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेंगे। समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा बन्धुओं एवं मित्र वर्ग से आप आदर तथा सम्मान प्राप्त करेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनसे उचित सहयोग तथा सहायता भी अर्जित करेंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न का भी अधिक मात्रा में उपयोग करेंगे। साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा एवं शारीरिक बल में भी वृद्धि होगी। इस समय शत्रु वर्ग भी आपसे भयभीत एवं चिन्तित रहेगा। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यों के द्वारा भी धनार्जन होगा। इस प्रकार आप सम्पूर्ण मास को सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे।

साथ ही आप स्त्री का पूर्ण सुख भी प्राप्त करेंगे एवं अन्य महिला सहयोगियों से भी उचित सहयोग तथा सहायता मिलती रहेगी। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता का भाव उत्पन्न होगा एवं प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में भी सफल रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाजिक जनों से भी पूर्ण यश अर्जित करेंगे।

तृतीय मास

09/04/2019 15:53:58 से 10/05/2019 10:50:56 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	उ०फाल्गुनी	27:08:42
सूर्य		मीन	रेवती	25:09:55
चन्द्र		वृष	रोहिणी	13:03:12
मंगल		वृष	रोहिणी	11:56:20
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:38:44
गुरु		धनु	मूल	00:13:34
शुक्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:17:13
शनि		धनु	पूर्वाषाढ़ा	26:03:05
राहु	व	मिथुन	पुनर्वसु	28:02:17
केतु	व	धनु	उत्तराषाढ़ा	28:02:17
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	16:33:05

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

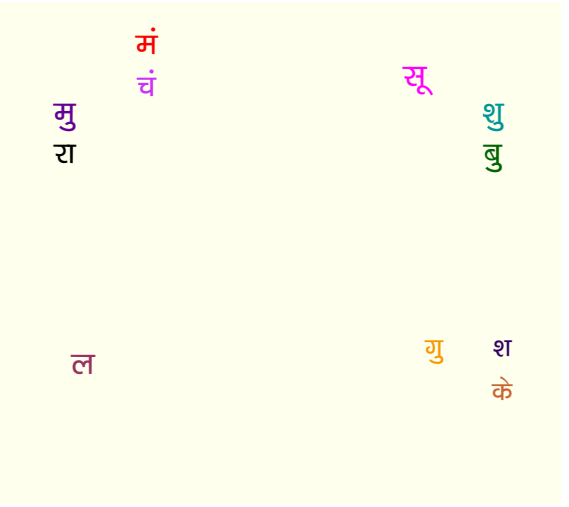

इस मास में आप शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय स्त्री वर्ग से आपको पूर्ण लाभ होगा तथा सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप उचित लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस समय आपका स्वास्थ भी उत्तम रहेगा तथा मन से भी पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। ज्ञानार्जन में भी आप रूचिशील रहेंगे तथा इस क्षेत्र में आप सफलता भी प्राप्त करेंगे। साथ ही मित्र एवं बन्धुवर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। आपको इस मास वांछित पदार्थों की भी प्राप्ति होगी तथा इनका आप प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सहयोग अर्जित करेंगे। समाज तथा समाजिक जनों से आप पूर्ण आदर एवं सम्मान प्राप्त करेंगे साथ ही विगत रूके हुए कार्यों में भी आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

इसके साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित्त दोष से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे तथा रक्त विकार का योग भी बनता है। अतः दुर्घटना आदि से भी सावधान रहें। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि से भी धन हानि होने की सम्भावना है अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

चतुर्थ मास
10/05/2019 10:50:56 से 10/06/2019 16:11:21 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	16:26:49
सूर्य		मेष	भरणी	25:09:55
चन्द्र		कर्क	पुनर्वसु	01:18:08
मंगल		मिथुन	मृगशिरा	02:03:12
बुध		मेष	अश्विनी	12:24:51
गुरु	व	वृश्चिक	ज्येष्ठा	28:54:37
शुक्र		मीन	रेवती	29:34:58
शनि	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	26:18:43
राहु		मिथुन	पुनर्वसु	25:13:13
केतु		धनु	पूर्वाषाढ़ा	25:13:13
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	19:03:05

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

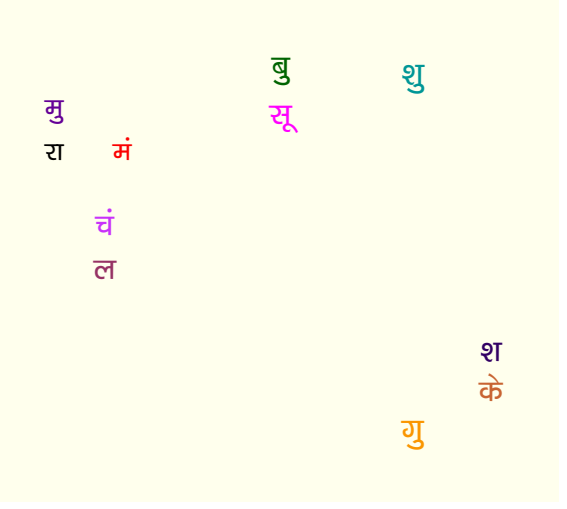

यह मास आपका मध्यम रूप से व्यतीत होगा तथा आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। इस समय आपका व्ययाधिक्य रहेगा तथा दुष्ट मनुष्यों की संगति भी करेंगे फलतः समाज में आपके सम्मान में न्यूनता आएगी। इस समय आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे एवं मन में अशान्ति का भाव भी विद्यमान रहेगा। अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने के लिए आपको अत्यधिक परिश्रम एवं पराक्रम प्रदर्शित करना पड़ेगा फिर भी सफलता अल्प मात्रा में ही मिलेगी। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का भाव ही अधिक रहेगा साथ ही मित्रों एवं सम्बधियों के साथ परस्पर संबन्धों में तनाव रहेगा आपके कार्यक्षेत्र में भी इस समय व्यवधान उत्पन्न होगा एवं शत्रुपक्ष से भी चिन्ता तथा भय नित्य बना रहेगा। इसके अतिरिक्त मानसिक रूप से भी आप उद्विग्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इससे आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की भी वृद्धि होगी तथा अन्य प्रकार से भी आप सुखानुभूति प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करेंगे।

पंचम् मास
10/06/2019 16:11:21 से 12/07/2019 02:50:58 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	विशाखा	26:09:48
सूर्य		वृष	मृगशिरा	25:09:55
चन्द्र		सिंह	उ०फाल्गुनी	27:45:15
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	22:08:53
बुध		मिथुन	आर्द्रा	15:38:47
गुरु	व	वृश्चिक	ज्येष्ठा	25:22:51
शुक्र		वृष	कृतिका	07:33:19
शनि	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	25:05:48
राहु	व	मिथुन	पुनर्वसु	23:49:20
केतु	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:49:20
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	21:33:05

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

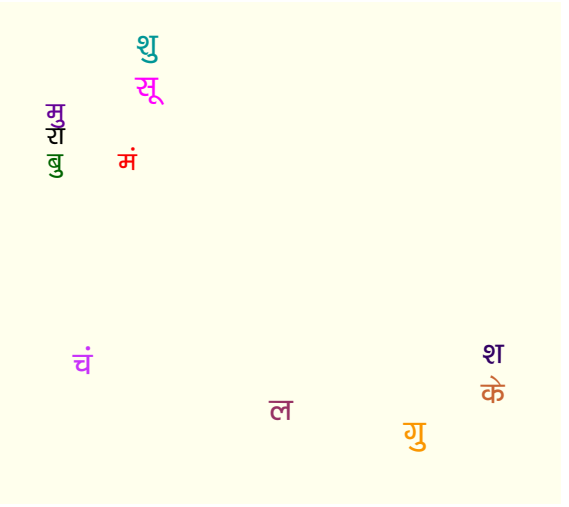

इस मास में आप अधिकांश शुभ फल अर्जित करेंगे परन्तु अल्प मात्रा में अशुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेगा। साथ ही इस महीने में आप किसी धार्मिक उत्सव या कार्यक्रम का भी आयोजन कर सकते है। संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनकी तरफ से आपको कोई चिन्ता नहीं रहेगी साथ ही धार्मिक क्षेत्र में आपकी श्रद्धा में वृद्धि होगी एवं देवता तथा ब्राहमणों का आप श्रद्धा पूर्वक पूजन तथा सेवा करेंगे। समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में इस समय में पूर्ण वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य में भी आपको सफलता प्राप्त होगी।

इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा तथा लाभ दायक यात्रा का भी योग बनेगा। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको पूर्ण आदर तथा सम्मान प्राप्त होगा ।मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको उचित सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होगा। इस समय आप समाज में सम्पन्न एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

परन्तु इस मास में आप गर्मी या पित्तादि से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही रक्त विकार का भय भी रहेगा अतः सावधानी तथा सतर्कता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

षष्ठ मास

12/07/2019 02:50:58 से 12/08/2019 12:09:48 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	मृगशिरा	24:22:22
सूर्य		मिथुन	पुनर्वसु	25:09:55
चन्द्र		तुला	विशाखा	26:05:54
मंगल		कर्क	पुष्य	12:10:46
बुध	व	कर्क	पुष्य	09:44:29
गुरु	व	वृश्चिक	ज्येष्ठा	21:47:18
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	15:59:05
शनि	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	22:55:48
राहु		मिथुन	पुनर्वसु	23:30:34
केतु		धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:30:34
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	24:03:05

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

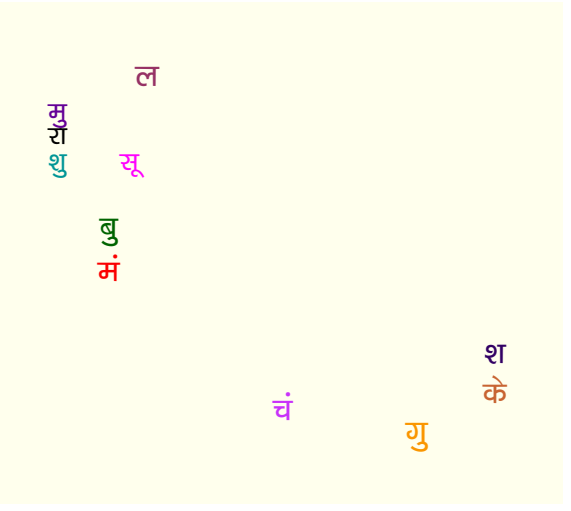

इस मास में आप अपने पराक्रम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। साथ ही समाज से भी आप उचित मान सम्मान प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा उनसे पूर्ण सहयोग तथा सुख भी प्राप्त होगा। उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं अपने कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में सफल रहेंगे। इस मास में आप मिष्ठान अधिक मात्रा में भक्षण करेंगे।साथ ही आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा फलतः शारीरिक बल में वृद्धि होगी। इस समय आपके शत्रु क्षीण रहेंगे अतः उनका दमन करने में आप को सफलता प्राप्त होगी। स्त्री से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इसके साथ ही व्यापार आदि कार्यो से भी आप अतिरिक्त आय अर्जित होगी जिससे आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी।

साथ ही इस मास में आप महिला सहयोगियों से भी लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी अतः आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा इस मास में किसी धार्मिक उत्सव या कार्यक्रम का भी आयोजन कर सकेंगे। इस प्रकार यह मास आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा।

सप्तम् मास
12/08/2019 12:09:48 से 12/09/2019 13:51:23 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	विशाखा	27:30:39
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	25:09:55
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	19:11:21
मंगल		सिंह	मघा	02:05:58
बुध		कर्क	पुष्य	06:23:44
गुरु		वृश्चिक	ज्येष्ठा	20:22:45
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	24:37:11
शनि	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	20:50:29
राहु		मिथुन	पुनर्वसु	23:18:22
केतु		धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:18:22
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	26:33:05

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

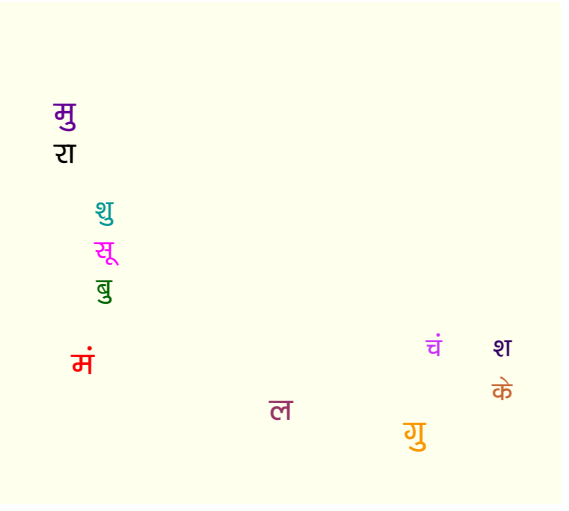

यह मास आपके लिए पूर्ण रूप से शुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा आप किसी सम्मानीय पद को प्राप्त करने में भी सफल होंगे। इस मास में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में होगा तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न होने की संभावना रहेगी। साथ ही स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा यथाशाक्ति आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगे। समाज में इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकाशं भाग्योदय संबधी कार्य भी इसी समय सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग एवं सुख प्राप्त करेंगे। इस प्रकार इस समय सर्वत्र आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से मनोवांछित सहयोग तथा सुख की प्राप्ति करेंगे तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करके अन्य स्त्रोतों से भी धनार्जन तथा सुख संसाधन अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

अष्टम् मास

12/09/2019 13:51:23 से 13/10/2019 03:53:59 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	17:40:50
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	25:09:55
चन्द्र		कुम्भ	धनिष्ठा	05:07:52
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	21:52:31
बुध		कन्या	उ०फाल्गुनी	02:26:45
गुरु		वृश्चिक	ज्येष्ठा	21:53:32
शुक्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:06:44
शनि	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	19:48:41
राहु	व	मिथुन	पुनर्वसु	21:36:57
केतु	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:36:57
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	29:03:05

मासाधिपति : सूर्य

मासाधिपति

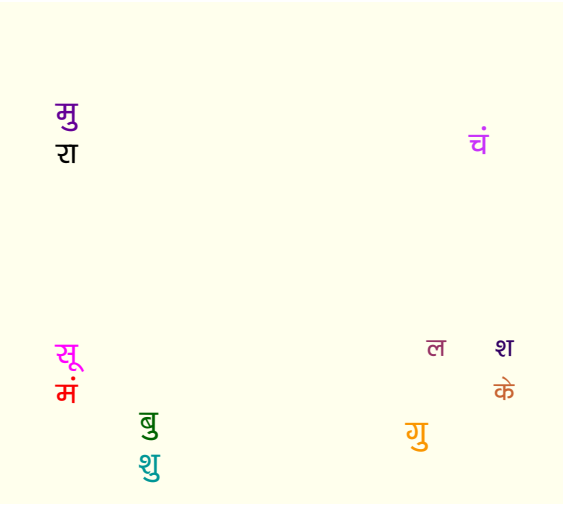

यह मास आपके लिये विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में होंगे। इस समय आप स्त्री पक्ष से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रुओं की ओर से भी चिन्ता एवं भय का वातावरण बना रहेगा। इस मास में आपके उत्साह में भी कमी आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम के बाद भी पूर्ण रूप से सिद्ध नहीं होंगे। शारीरिक अस्वस्थता भी इस समय बनी रहेगी तथा स्वभाव में लोलुपता के भाव में वृद्धि होगी। अपने बंधु एवं मित्र वर्ग से आपके संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मन मुटाव चलता रहेगा।मित्र वर्ग भी इस समय शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे जिसके कारण मन अशान्त तथा असंतुष्ट रहेगा। इसके अतिरिक्त आपके सामाजिक जनों से भी वादविवाद या संघर्ष होने की संभावना बनी रहेगी जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होते रहेंगे। अतः स्त्री से सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा बुद्धिबल से आपके कार्य सफल भी हो सकते है। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में रूचि उत्पन्न होगी। इस प्रकार आपका यह मास सामान्य रूप से व्यतीत होगा।

नवम् मास

13/10/2019 03:53:59 से 12/11/2019 05:32:45 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	उ०फाल्गुनी	00:38:23
सूर्य		कन्या	चित्रा	25:09:55
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	14:40:30
मंगल		कन्या	हस्त	11:30:47
बुध		तुला	स्वाति	18:40:53
गुरु		वृश्चिक	ज्येष्ठा	25:50:30
शुक्र		तुला	स्वाति	11:07:05
शनि		धनु	पूर्वाषाढ़ा	20:16:31
राहु	व	मिथुन	आर्द्रा	18:16:20
केतु	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	18:16:20
मुंथा		कर्क	पुनर्वसु	01:33:05

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

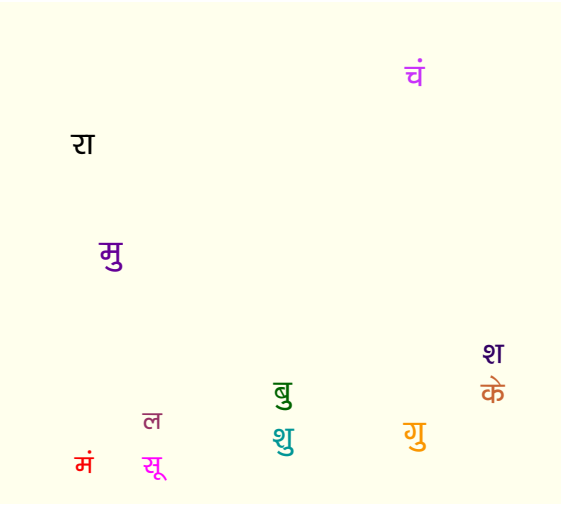

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ फल दायक रहेगा। इस समय महिला वर्ग से आपको पूर्ण लाभ प्राप्त होगा तथा आपके सौभाग्य में भी आशातीत वृद्धि होगी जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य समय पर सम्पन्न होंगे। इससे मानसिक रूप से आप पूर्ण शान्ति तथा प्रसन्नता प्राप्त करेंगे।साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा एवं ज्ञानार्जन के क्षेत्र में आपके मन में उत्सुकता उत्पन्न होगी। आपके मित्र तथा बन्धु जनों से इस समय मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको वांछित सहयोग तथा सहायता प्राप्त होगी। इस समय आपको इच्छित द्रव्यों की भी प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा एवं समाज में भी आप सम्मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके रूके हुए शुभ कार्य भी इस समय पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा। एवं प्रचुर मात्रा में धन एवं सुख साधनों को अर्जित करने में आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में भी आप रूचिशील रहेंगे एवं समाज तथा बन्धुवर्ग से पूर्ण सम्मान एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे।

दशम् मास
12/11/2019 05:32:45 से 11/12/2019 21:19:33 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	स्वाति	19:44:17
सूर्य		तुला	विशाखा	25:09:55
चन्द्र		मेष	भरणी	18:39:32
मंगल		तुला	चित्रा	01:04:05
बुध	व	तुला	विशाखा	24:19:12
गुरु		धनु	मूल	01:24:38
शुक्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	18:28:44
शनि		धनु	पूर्वाषाढ़ा	22:07:19
राहु	व	मिथुन	आर्द्रा	15:21:34
केतु	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	15:21:34
मुंथा		कर्क	पुष्य	04:03:05

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

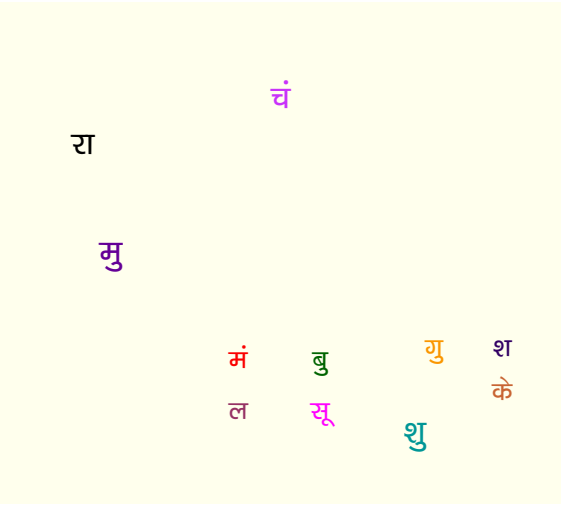

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा समाज से आप यथोचित आदर एवं सम्मान प्राप्त करेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको पूर्ण सहयोग तथा सम्मान मिलेगा एवं उनसे आप वांछित लाभ भी प्राप्त करेंगे तथा आपसे वे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे इच्छित सहयोग की आपको प्राप्ति होगी। साथ ही आपके अधिकांश शुभ कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे। देवता एवं ब्राहमणों में भी आपकी श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। सन्तति पक्ष से भी आप निश्चिन्त रहेंगे एवं उनसे आप वांछित सुख भी प्राप्त करेंगे। साथ ही बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्ति आपके पूर्व संकल्प भी इस मास में पूर्ण होंगे जिससे मानसिक रूप से भी शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा धर्मानुपालन में भी आप तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते हैं।

एकादश मास

11/12/2019 21:19:33 से 10/01/2020 08:13:10 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	24:47:38
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	25:09:55
चन्द्र		वृष	रोहिणी	18:21:56
मंगल		तुला	विशाखा	20:38:47
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	09:09:05
गुरु		धनु	मूल	07:52:14
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	25:13:59
शनि		धनु	पूर्वाषाढ़ा	24:57:47
राहु	व	मिथुन	आर्द्रा	14:17:11
केतु	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:17:11
मुंथा		कर्क	पुष्य	06:33:05

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

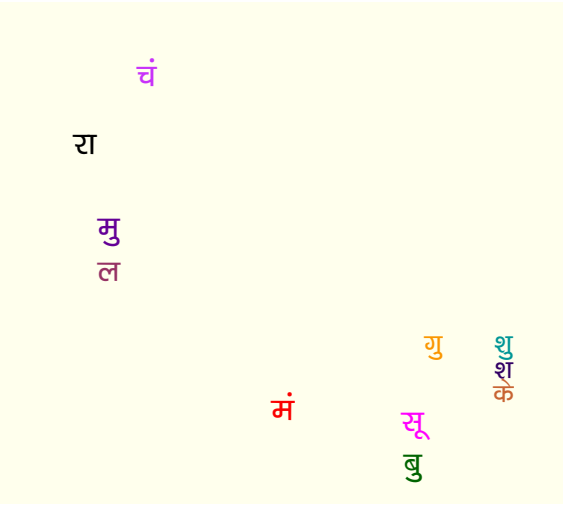

यह मास आपके लिए सामान्य रूप से ही शुभ फलदायक रहेगा तथा अशुभ फल भी अल्प मात्रा में होते रहेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा हृदय से भी प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में पूर्ण वृद्धि होगी तथा शत्रु पक्ष को पराजित करने में आप सफल रहेंगे तथा आपके शत्रु आपसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आप की आय स्त्रोतों में भी उन्नति होगी फलतः प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने में सफल रहेंगे। व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी आप लाभार्जन करेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्य की भी वृद्धि होगी। साथ ही आपके विलम्बित कार्य भी इस मास में पूर्ण हो सकेंगे। मित्रों तथा बन्धुवर्ग से आपके संबध मधुर रहेंगे तथा सांसारिक कार्य भी समय पर सम्पन्न होते रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथा योग्य सम्मान प्राप्त होता रहेगा।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप वातजन्य रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आप कोई ऐसा कार्य करेंगे जिससे आपको पश्चाताप करना पड़ेगा तथा समाज में आपकी अवमानना होगी। इसके अतिरिक्त इस मास में अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार क्षति होने की संभावना है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

द्वादश मास

10/01/2020 08:13:10 से 08/02/2020 20:21:57 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	धनिष्ठा	23:24:08
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	25:09:55
चन्द्र		मिथुन	आर्द्रा	16:10:44
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	10:23:38
बुध		धनु	पूर्वाषाढ़ा	24:50:35
गुरु		धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:37:56
शुक्र		कुम्भ	धनिष्ठा	01:24:48
शनि		धनु	उत्तराषाढ़ा	28:20:11
राहु	व	मिथुन	आर्द्रा	14:18:35
केतु	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:18:35
मुंथा		कर्क	पुष्य	09:03:05

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

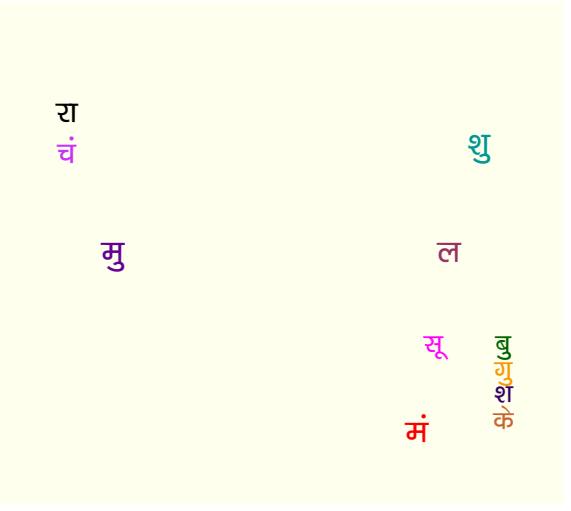

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा स्त्री एवं बन्धुवर्ग से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे या इन्हें भी किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। साथ ही आपका शत्रु पक्ष भी आपसे बलवान रहेगा जिससे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं तथा बाधाएं उत्पन्न होंगी। अतः इनसे आप काफी असुविधा का सामना करेंगे तथा मानसिक रूप से चिन्तित भी रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह के भाव में न्यूनता रहेगी तथा धन का व्यय भी अनावश्यक रूप से अधिक होगा जिससे आर्थिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे। इसके साथ ही आपके स्वभाव में लोलुपता के भाव में भी वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग प्राप्त करने में असफल रहेंगे तथा ऐसे समय में मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे। इसके अतिरिक्त परिवार तथा अन्य सामाजिक जनों से भी विवाद आदि होते रहेंगे। अतः संयम एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में न्यूनाधिक रूप से आप शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इससे आप स्त्री से सहयोग प्राप्त करेंगे तथा अपनी बुद्धिमता के द्वारा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता प्राप्त करेंगे।साथ ही धन तथा सुख प्राप्त करने में भी आपको सफलता मिलेगी। अतः मानसिक रूप से आप अल्प मात्रा में सन्तुष्ट हो सकेंगे।